ज्ञान दर्शन

समाचार बुलेटिन
(जनवरी 2013 से अप्रैल 2013)

ज्ञान महाविद्यालय

आगरा रोड, अलीगढ़ (उ.प्र.)
Website : www.gyanmahavidhyalaya.com
Email : gyanmv@gmail.com, Mob. : 9359838927

श्रीमती आशादेवी
संरक्षिका

श्री दीपक गोयल
सचिव

डा. गणतन्त्र कुमार गुप्ता
प्राचार्य

डा. वाई. के. गुप्ता
उप प्राचार्य

सम्पादक मण्डल

1. डा. खजान सिंह
2. श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी
3. डा. रेखा शर्मा
4. डा. रत्न प्रकाश
5. श्री नवीन वार्ष्णेय

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम, समारोह तथा उत्सव के श्रीगणेश के लिए विद्या की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष आमंत्रित अतिथियों तथा गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित किए जाते हैं। आमंत्रित अतिथियों तथा गणमान्य व्यक्तियों को पुष्प गुच्छ व प्रतीक चिह्न देकर उनको यथोचित सम्मान प्रदान करने की भी प्रथा है।

राष्ट्रीय सेवा योजना : महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की एक इकाई है, इस इकाई की कार्यक्रम अधिकारी वनस्पति विज्ञान विभाग की अध्यक्षा डा. अन्तिमा कुलश्रेष्ठ हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वेच्छासेवियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्भव, उद्देश्य तथा कार्यक्रमों से अवगत कराया गया और जीवन में समाज सेवा के महत्व पर स्वेच्छासेवियों के बीच सामूहिक चर्चा करायी गयी। राष्ट्रीय सेवा योजना की गतिविधियों के लिए विकास खण्ड–लोधा, (अलीगढ़) का मडराक गाँव चुना गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी शिविर तथा गतिविधियों का आयोजन डा. अन्तिमा कुलश्रेष्ठ के नेतृत्व में किया गया।

एक दिवसीय शिविर : 8 जनवरी, 2013 को मडराक में एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान स्वेच्छासेवियों ने ग्रामीणों के सहयोग से मडराक गाँव के मुहल्ले नई बस्ती, राठी चौक, होली चौक व कुशवाह बस्ती के निवासियों का सामाजिक, शैक्षिक तथा आर्थिक सर्वेक्षण किया और संबंधित परिवारों को शिक्षा व स्वास्थ्य को बेहतर करने की जानकारी दी। ग्रामीणों के साथ स्वेच्छासेवियों ने श्रमदान भी किया। महाविद्यालय के प्राचार्य, उप प्राचार्य, डा. सुरेन्द्रसिंह यादव, डा. प्रमोद कुमार, डा. हीरेश गोयल, डा. ललित उपाध्याय व शिक्षणेत्तर वर्ग के श्री सत्यवान उपाध्याय, श्री यतेन्द्र कुमार तथा श्री राकेश कुमार ने भी महाविद्यालय के उक्त शिविर में विद्यार्थियों की तरह स्वेच्छासेवियों के रूप में भाग लिया। उक्त एक दिवसीय शिविर का उद्घाटन ग्राम प्रधान श्री रनवीर सिंह ने किया।

19 जनवरी, 2013 को मड़राक गाँव में आयोजित एक दिवसीय द्वितीय शिविर का उद्घाटन प्राथमिक विद्यालय नं. 1 मडराक की प्रधानाचार्या श्रीमती सुखदेवी ने किया। स्वेच्छासेवियों ने ग्रामीणों के सहयोग से ग्रामीण परिवारों का सामाजिक, शैक्षिक तथा आर्थिक सर्वेक्षण किया तथा गाँव में श्रमदान के साथ–साथ प्राथमिक विद्यालय में वृक्षारोपण भी किया। इस शिविर में महाविद्यालय के प्रवक्ता डा. हीरेश गोयल तथा श्रीमती शोभा सारस्वत ने स्वेच्छासेवियों व ग्रामीणों को शिक्षा, अनुशासन तथा सामाजिकता का पाठ पढ़ाया, इस शिविर में महाविद्यालय के उप प्राचार्य तथा श्री यतेन्द्र कुमार, श्री सत्यवान उपाध्याय व श्री राकेश कुमार ने भी भाग लिया।

2 फरवरी, 2013 को मडराक गाँव में आयोजित एक दिवसीय तृतीय शिविर का शुभारम्भ महाविद्यालय के सचिव श्री दीपक गोयल जी ने किया। स्वेच्छासेवियों ने घर–घर जाकर शैक्षिक, सामाजिक तथा आर्थिक सर्वेक्षण किया। स्वास्थ्य, परिवार कल्याण तथा पर्यावरण के संबंध में ग्रामीणों को जागरूक किया तथा किसानों को उपज बढ़ाने के तरीकों के बारे में बताया गया।

सचिव महोदय ने प्राथमिक विद्यालय में वृक्षारोपण किया। इस शिविर में डा. गौतम गोयल, महाविद्यालय के प्राचार्य, उप प्राचार्य, राष्ट्रीय सेवा योजना के पूर्व कार्यक्रम अधिकारी डा. बी.डी. उपाध्याय, डा. विवेक मिश्र, प्राध्यापक डा. आर. के. कुशवाहा, श्री अमितकुमार वार्ष्णेय एवं शिक्षणेत्तर वर्ग के श्री राकेश कुमार आदि ने सक्रिय सहभाग किया।

2 मार्च, 2013 को मडराक गाँव में आयोजित एक दिवसीय चतुर्थ शिविर के दौरान स्वेच्छासेवियों ने दहेजप्रथा, पर्यावरण, रक्तदान, बेरोजगारी, महिला सशक्तीकरण तथा कन्या भ्रूण हत्या आदि विषयों पर ग्रामीणों के साथ चर्चा की।

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम में प्रबन्ध समिति की अध्यक्षा, सचिव, अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य, डा. गौतम गोयल, प्राचार्य, उपप्राचार्य, प्रबन्धक, विभागों के अध्यक्ष तथा प्राध्यापक, मुख्य अनुशासन अधिकारी, क्रीड़ाध्यक्ष एवं सभी संकायों के विद्यार्थी यथासंभव और आवश्यकतानुसार सम्मिलित होते हैं। अधिकांश कार्यक्रमों में प्रतिवेदन लिखने की भूमिका का निर्वाह डा. ललित उपाध्याय द्वारा किया जाता है जब कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों के संयोजन में डा. रेखा शर्मा की अहम् भूमिका रहती है।

Scanned by CamScanner

सात दिवसीय विशेष आवासीय शिविरः– 18 से 24 फरवरी, 2013 तक मडराक गाँव के प्राथमिक विद्यालय नं. 1 में शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में महाविद्यालय के 57 छात्र–छात्राओं ने सक्रिय भाग लिया। इस शिविर के दौरान स्वेच्छासेवियों ने ग्रामीणों के सहयोग से निम्नांकित कार्य किए–

1. अ) शिविर के दौरान किये गये सभी क्रियाकलापों पर प्रकाश डाला।
   ब) गाँव के परिवारों का शैक्षिक, सामाजिक, आर्थिक तथा स्वास्थ्य संबंधी सर्वेक्षण।
2. खरंजा बनाने में सहयोग तथा गाँव की सफाई।
3. दहेज प्रथा, लड़कियों की शिक्षा, प्रौढ़ शिक्षा तथा विभिन्न बीमारियों पर आधारित नुक्कड़ नाटक।
4. सामाजिक चेतना के तहत् पर्यावरण संरक्षण, बाल सुरक्षा, शिक्षा, कन्या भ्रूण हत्या, महिला सुरक्षा आदि से संबंधित नारे जगह–जगह दीवारों पर लिखना।
5. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मड़राक के डा. प्रमोद कुमार व डा. रवीन्द्र चन्द्र ने शिविर में आकर स्वेच्छासेवियों तथा ग्रामीणों को मलेरिया, डेंगू और पोलियो आदि के बारे में बताया।
6. राजकीय पशु चिकित्सालय के डा. राजू उपाध्याय ने शिविर में आकर स्वेच्छासेवियों तथा ग्रामीणों को दुधारू पशुओं को होने वाली बीमारियों से बचाव एवं उनकी चिकित्सा आदि के बारे में बताया।

महाविद्यालय की अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी व सचिव श्री दीपक गोयल एक दिन एक साथ शिविर में पधारे, इन्होंने स्वेच्छासेवियों के साथ शिविर की गतिविधियों पर चर्चा की तथा शिविर सहभागियों के साथ भोजन किया।

शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी श्री भगवान ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना से विद्यार्थियों में अनुशासन तथा समाज सेवा की भावना को बढ़ावा मिलता है। प्राचार्य जी ने अपने समापन भाषण में समाज सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला। इस शिविर के आयोजन में प्राचार्य, उप प्राचार्य, डा. सुरेन्द्र सिंह यादव, डा. बी. डी. उपाध्याय, डा. ललित उपाध्याय, डा. आनन्द कुमार, डा. सौरभ शर्मा, डा. रत्न प्रकाश तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के श्री यतेन्द्र कुमार आदि ने विशेष सहयोग किया।

वाणिज्य विभाग में अतिथि व्याख्यान : 10 जनवरी, 2013 को वीरांगना अवन्तीबाई राजकीय महाविद्यालय, अतरौली (अलीगढ़) के एसोसिएट प्रोफेसर डा. एस. के. वार्ष्णेय ने ज्ञान महाविद्यालय में आकर 'खुदरा व्यापार के अंतर्गत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया। उन्होंने बताया कि दस लाख और इससे अधिक जनसंख्या के शहरों में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की स्वीकृति मिली है, 1991 में मुक्त व्यापार नीति शुरू हुई, उसी समय निजीकरण, भूमण्डलीकरण तथा उदारीकरण शुरू हुआ। भारत में इस समय 600 अरब डालर का खुदरा व्यापार होता है। भारत में माँग बढ़ रही है, इसलिए विदेशी कंपनिया भारत में आ रही हैं। चीन में सबसे अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश है। भारत में उत्पादक तथा उपभोक्ता के बीच अनेक दलाल हैं। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के हर सामान पर मूल्य लिखा है, उसे ग्राहक छूकर देख सकता है, यह काम भारत के खुदरा व्यापार में नहीं है। प्रत्यक्ष विदेशी निवेश के अन्तर्गत एक ही स्थान पर अनेक प्रकार का सामान मिलता है, तथा इसमें भण्डारण क्षमता अपेक्षाकृत अधिक है। अतिथि वक्ता ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में आने वाली कठिनाईयों एवं उसकी व्यावहारिकता के बारे में भी बताया और श्रोताओं के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए।

अर्थशास्त्र विभाग में अतिथि व्याख्यानः– 11 जनवरी, 2013 को डी.एस. कालिज, अलीगढ़ के अर्थशास्त्र विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. इन्दु वार्ष्णेय ने ज्ञान महाविद्यालय में आकर " सरकारी योजनाओं और नीतियों की गरीबी उन्मूलन में भूमिका" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया। अतिथि वक्ता ने कहा कि विकास के लिए शिक्षा जरूरी है। जहाँ विकास है वहाँ गरीबी नहीं होगी। हमारे देश के घरेलू उद्योग अंग्रेजों ने समाप्त कर दिये थे, कच्चा माल भारत में पैदा होता था तथा तैयार माल इंग्लैण्ड में बनता था। बेरोजगारी तथा गरीबी एक– दूसरे के पूरक हैं। Poverty Line को Hunger Line कहना अधिक उचित है, क्योंकि इसके निर्धारण में शिक्षा तथा स्वास्थ्य आदि को ध्यान में नहीं रखा गया है। गरीबी की रेखा के निर्धारण में भुखमरी को ही गरीबी माना गया है। रोजगार तथा अन्य कारणों से गाँवों के लोग शहरों में पलायन कर रहे हैं। इसलिए बड़े शहरों में मलिन बस्तियाँ बढ़ रहीं हैं। गाँवों से शहरों में पलायन रोकने के लिए पूर्व राष्ट्रपति डा. अब्दुल कलाम आजाद ने PURA (Providing Urban Facilities in Rural Area) की शुरूआत की थी। अतिथि वक्ता ने गाँव तथा शहरी विकास की योजनाओं की समीक्षा कर यह सिद्ध करने का सफल प्रयास किया कि गरीबी उन्मूलन के लिए सरकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन जरूरी है तथा प्रभावी क्रियान्वयन के लिए आम लोगों का जागरूक होना जरूरी है। उपस्थित विद्यार्थियों ने अतिथि वक्ता से अनेक प्रश्न किए, जिसके उन्होंने संतोषजनक उत्तर दिये।

मकर संक्रान्ति उत्सव : मकर संक्रान्ति के अवसर पर 14 जनवरी, 2013 को महाविद्यालय प्रांगण में पतंग उड़ाने की प्रतियोगिता का श्रीगणेश महाविद्यालय के सचिव श्री दीपक गोयल जी ने किया। सचिव महोदय ने उपस्थित विद्यार्थियों तथा प्राध्यापकों को मकर संक्रान्ति की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को पतंग की उड़ान से, अपने जीवन में उच्चतम शिखर छूने की प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर महाविद्यालय की ओर से अनाथ लोगों को खिचड़ी तथा वस्त्र आदि दिये गये।

मैक्रोटीचिंग बी.एड. विभाग : बी. एड. विभाग में 14 जनवरी से 8 फरवरी, 2013 तक वृहत् शिक्षण अभ्यास (मैक्रो– टीचिंग) अलीगढ़ शहर के पाँच इन्टर कालेजों में कराया गया। मैक्रोटीचिंग बी.एड. विभाग के समस्त प्रशिक्षित एवं अनुभवी प्राध्यापकों के निर्देशन में सम्पन्न हुई। इस अभ्यास के दौरान महाविद्यालय के छात्र अध्यापकों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया व सम्बन्धित इण्टर कालेजों के प्रधानाचार्यो ने संतोष व्यक्त किया।

स्वराज्य स्वावलम्बी योजना : महाविद्यालय के संस्थापक डा. ज्ञानेन्द्र गोयल की धर्मपत्नी एवं वर्तमान सचिव श्री दीपक गोयल की माताजी स्वर्गीया श्रीमती स्वराज्यलता गोयल की स्मृति में यह योजना 'सामाजिक दायित्व' के तहत शुरू की गयी है। इस योजना में निकटवर्ती गाँव बढ़ौली फतेह खाँ को गोद लिया गया है। इस योजना के अंतर्गत ग्रामीणों को उनके कर्तव्यों तथा अधिकारों के प्रति लगातार जागरूक किया जा रहा है और निर्बल वर्ग की प्रत्येक लड़की की शादी के अवसर पर उसे एक सिलाई मशीन उपहार के रूप में दी जाती है।

Scanned by CamScanner

प्राचार्यजी ने योजना के बारे में ग्रामीणों को विस्तृत जानकारी दी। योजना प्रभारी डा. बी.डी. उपाध्याय ने कहा कि बेटियाँ मायके का अभिन्न अंग होती हैं, जो ससुराल में जाकर दो पीढ़ियों को शिक्षित व आत्मनिर्भर करने में सक्षम होती हैं।

अंग्रेजी विभाग में अतिथि व्याख्यान : 17 जनवरी, 2013 को श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़ के अंग्रेजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. नीता कुलश्रेष्ठ ने ज्ञान महाविद्यालय में आकर **'कम्युनीकेशन इन इंग्लिश लैंग्वेज'** विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया। अतिथि वक्ता ने कहा कि अंग्रेजी भाषा बोलने, पढ़ने व लिखने की दक्षता हासिल करने हेतु नियमित अभ्यास व धैर्य की आवश्यकता होती है। उन्होंने विद्यार्थियों को अंग्रेजी बोलने व जानने की टिप्स पर चर्चा करते हुए कहा कि आम बोलचाल की भाषा में बार–बार प्रयोग होने वाले शब्द तथा वाक्यों को उच्चारित व लिखकर अंग्रेजी को आसानी से सीखा जा सकता है। अतिथि वक्ता ने विद्यार्थियों के अनेक प्रश्नों के उत्तर देकर उन्हें संतुष्ट किया।

मनोविज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान : 21 जन., 2013 को टीकाराम कन्या महाविद्यालय, अलीगढ़ के मनोविज्ञान विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डा. चन्द्रकांता अग्रवाल ने ज्ञान महाविद्यालय आकर 'प्रयोगात्मक प्रविधि' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया। अतिथि वक्ता ने कहा कि 'मनोविज्ञान व्यवहार का विज्ञान है, जिसमें व्यक्तिगत विभिन्नता का अध्ययन किया जाता है।' व्यक्ति प्रयत्न व भूल के अभ्यास से सीखता है तथा लगातार अभ्यास के प्रयास से लक्ष्य तक पहुँच सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि मेहनत सर्वोपरि है तथा मेहनत से ही लक्ष्य पाना आसान होता है। अन्त में प्राचार्य महोदय ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मनोविज्ञान के प्रयोगात्मक पक्ष में आत्मीय संबंध को आत्मसात करने की आवश्यकता होती है।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर स्वामी विवेकानन्द को याद किया : 12 जन., 2013 को महाविद्यालय के कला संकाय ने स्वामी विवेकानन्द का जन्मदिन राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया। आयोजन के दौरान स्वामी विवेकानन्द की 150वीं जयन्ती की प्रासंगिकता पर बी. ए. के अनेक विद्यार्थियों ने अपने विचार रखे। कला संकाय के प्रभारी डा. विवेक मिश्र ने कहा कि स्वामी विवेकानन्द ओजस्वी वक्ता एवं विचारवान युवा थे। हिन्दी विभाग के डा. रोहिताश कुमार पाराशर ने स्वामी विवेकानन्द के पूरे जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला। समाजशास्त्र के प्राध्यापक डा. ललित उपाध्याय ने कहा कि युवा प्रेरणा के स्रोत स्वामी विवेकानन्द के विचार वर्तमान में भी प्रासंगिक हैं।

भौतिक विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान : 23 जन., 2013 को श्री वार्ष्णेय महाविद्यालय, अलीगढ़ के भौतिक विज्ञान विभाग के पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर डा. एस.के. वार्ष्णेय ने ज्ञान महाविद्यालय आकर 'इलैक्ट्रोनिक्स' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया।

डा. वार्ष्णेय ने बताया कि शिक्षक हमेशा सीखता रहता है तथा जैसे–जैसे उसकी आयु बढ़ती है वह और प्रभावी होता जाता है। इलैक्ट्रोनिक्स की खोज इलेक्ट्रान से हुई है। पहला डिवाइस 1904 में डायोड बनाया गया तथा 1907 में ट्रायोड बनाया गया, इसी प्रकार टेट्रोड व पेन्टोड बनाये गये। पेण्टोड का प्रयोग रिसीवर व ट्रांजिस्टर में किया जाता है। उन्होंने रिंगस, प्रतिरोध गिनती, वायर वाउन्ड, सेमी कन्डक्टर, इन्सुलेटर एन–टाइप, पी–टाइप, पी–एन जंक्शन आदि पर प्रकाश डाला व इससे संबंधित कुछ उपकरण भी दिखाए। अन्त में प्राचार्यजी ने डा. वार्ष्णेय का आभार व्यक्त किया।

मतदाता जागरूकता रैली में सहभाग : अलीगढ़ जिला प्रशासन ने 25 जन, 2013 को श्रीमद् ब्रह्मानन्द इण्टर कॉलेज, अलीगढ़ से अहिल्याबाई होल्कर स्टेडियम, रामघाट रोड, अलीगढ़ तक मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया। पुलिस व प्रशासन के आला अधिकारियों के साथ–साथ जिले के विभिन्न विद्यालयों तथा महाविद्यालयों के शिक्षकों व विद्यार्थियों ने बड़ी संख्या में इस रैली में भाग लिया। हमारे महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक व विद्यार्थियों ने इस रैली में सक्रिय भाग लेकर जिला प्रशासन का सहयोग किया।

गणतन्त्र दिवस समारोह : 26 जन., 2013 को हमारे महाविद्यालय के प्रांगण में गणतन्त्र दिवस समारोह बड़े ही हर्ष तथा उल्लास के साथ मनाया गया। प्राचार्यजी ने ध्वजारोहण किया। अनेक प्राध्यापक तथा विद्यार्थियों ने गणतन्त्र दिवस, देश भक्ति, स्वतन्त्रता संग्राम के सेनानियों के संबंध में अपने–अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अन्त में उपस्थित व्यक्तियों को मिष्ठान वितरित किया गया।

वनस्पति विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान : 31 जन., 2013 को डी. एस. कालिज, अलीगढ़ के वनस्पति विज्ञान के एसो. प्रो. डा. प्रबोध श्रीवास्तव ने ज्ञान महाविद्यालय आकर पौधों में कोशिका विभाजन' विषय पर अतिथि व्याख्यान दिया। आपने बताया कि एक कोशिका से दो कोशिकाओं का बनना ही कोशिका विभाजन कहलाता है। मनुष्य में लगभग 5,000 अरब कोशिकायें पायी जाती हैं। पौधों में कोशिका विभाजन तीन प्रकार का होता है– असूत्री, समसूत्री व अर्धसूत्री। असूत्री विभाजन कम विकसित एक कोशिकीय जीवों में पाया जाता है। समसूत्री विभाजन कायिक कोशिका में पाया जाता है, घावों का भरना इसी विभाजन से होता है। अर्धसूत्री विभाजन जनन कोशिकाओं में होता है, इसके फलस्वरूप एक मात्र कोशिका से 4 संतति कोशिकाओं का निर्माण होता है, जिसमें क्रोमोसोम की संख्या आधी होती है। इस विभाजन में क्रोमेटिन पदार्थ का आपस में आदान–प्रदान होता है, इससे संतानों में अच्छे गुणों की सम्भावना अधिक बढ़ जाती है। अन्त में उप प्राचार्यजी ने डा. श्रीवास्तवजी का आभार व्यक्त किया।

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन : 6 फर., 2013 को डा. सुरेन्द्र सिंह यादव के निर्देशन में बी. ए., बी. एस–सी. व बी. कॉम. के विद्यार्थियों के लिए सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया। इस प्रतियोगिता के प्रश्नपत्र में उक्त कक्षाओं से संबंधित विषयों के बहुविकल्पीय प्रश्न थे। महाविद्यालय द्वारा इस प्रतियोगिता में पहली बार ओ. एम. आर. शीट का प्रयोग किया गया। इस प्रतियोगिता में लगभग 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया।

Scanned by CamScanner

रसायन विज्ञान में अतिथि व्याख्यान : 12 फरवरी, 2013 को वीरांगना अवन्तीबाई राजकीय महाविद्यालय, अतरौली के रसायन विज्ञान विभाग के एसो. प्रो. डा. यू. सी. शर्मा ने महाविद्यालय में आकर अतिथि व्याख्यान दिया। अतिथि वक्ता ने कहा कि रसायन विज्ञान को विद्यार्थी बहुत ही कठिन व रटने वाला विषय मानते हैं, जबकि थोड़ी सी ट्रिक अपनायी जाये तो इसे आसान बनाया जा सकता है। उन्होंने कार्बनिक व अकार्बनिक रसायन की बहुत सी क्रियाओं को याद करने व समझने के टिप्स बताये, उन्होंने आगे कहा कि रसायन विज्ञान अच्छी तरह सीखने के लिए विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की तरह कट–पेस्ट पॉलिसी आनी चाहिए। व्याख्यान के अन्त में प्राचार्य जी ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

बी.कॉम. की छात्रा को 'ज्ञान गौरव' सम्मान : ज्ञान महाविद्यालय में बी.कॉम. की होनहार छात्रा एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की निशानेबाज कुमारी हिमानी भारद्वाज को निशानेबाजी में उनकी विशिष्ट उपलब्धि के लिए महाविद्यालय के वार्षिकोत्सव के अवसर पर 13 फरवरी, 2013 को 'ज्ञान गौरव' सम्मान से नवाजा गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सचिव महोदय ने कु. हिमानी भारद्वाज को 51 हजार का चैक पुरस्कार के रूप में देकर उन्हें प्रोत्साहित किया।

ज्ञान महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव : 13 फर., 2013 को ज्ञान महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। उत्सव के मुख्य अतिथि अ.मु. वि. के प्रोफेसर व एकेडमिक स्टाफ कालिज के निदेशक डा. ए. आर. किदवई थे। विशिष्ट अतिथि श्री शमीम अहमद (मुख्य विकास अधिकारी), व श्री शेलेन्द्र कुमार सिंह (नगर आयुक्त) तथा अपर जिलाधिकारी की पत्नी श्रीमती ऐश्वर्य सचान थीं। इनके साथ महाविद्यालय प्रबन्ध समिति की अध्यक्षा श्रीमती आशादेवी, सचिव महोदय, प्राचार्य, उप प्राचार्य, प्राध्यापक गण व छात्र/छात्राएं उपस्थित थे। प्राचार्यजी ने महाविद्यालय की प्रगति से अवगत कराया। महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका 'ज्ञान पुष्प' 2012–13 का विमोचन मंचासीन अतिथियों द्वारा किया।

अपने सारगर्भित भाषण में प्रो. किदवई ने कहा कि ज्ञान महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए बेहतर सुविधायें हैं, **NAAC** द्वारा प्रदत्त 'ए' ग्रेड ने महाविद्यालय की गरिमा में चार चाँद लगा दिये हैं। जनाव शमीम अहमद (सी.डी.ओ.) ने कहा कि दुनिया में सबसे बड़ी चीज तालीम हासिल करना है। माँ–बाप अपने खर्चों में कटौती करके बच्चों को तालीम दिलवाते हैं। बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय तथा अ. मु. वि. जैसे विश्वविद्यालयों की स्थापना आम लोगों के चन्दे से हुई। उन्होंने तालीम के साथ–साथ सेहत सुधारने पर भी जोर दिया तथा कहा कि चाहे विदेशों में जाकर तालीम हासिल करो लेकिन सेवा अपने देश में ही करो। महानगर आयुक्त ने कहा कि परिस्थिति तथा व्यवस्था को दोष देकर हम अपनी जिम्मेदारी से नहीं बच सकते हैं। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने

विज्ञान संकाय का शैक्षिक टूर : 17 फर., 2013 को विज्ञान संकाय के प्राध्यापकगण एवं 40 विद्यार्थी मथुरा–वृन्दावन शैक्षिक भ्रमण पर गये। वहाँ विद्यार्थी तथा प्राध्यापकगण कृष्ण जन्मभूमि, माँ वैष्णो मन्दिर, जैन समुदाय के प्रसिद्ध मन्दिर जम्बू स्वामी, प्रेम मन्दिर, श्री बाँके बिहारी मन्दिर तथा इस्कान मन्दिर गये। सभी विद्यार्थी तथा प्राध्यापकों ने उक्त स्थलों की ऐतिहासिक तथा धार्मिक जानकारी हासिल कर अपना ज्ञान बढ़ाया। उक्त शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम की संयोजिका श्रीमती शशिमाला, प्रवक्ता, जन्तु विज्ञान विभाग थी।

कन्या भ्रूण हत्या पर निबन्ध प्रतियोगिता : 18 फरवरी, 2013 को कला संकाय ने "कन्या भ्रूण हत्या– जिम्मेदार कौन? पुरूष या महिला" विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया, इस प्रतियोगिता में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। निबन्धों का मूल्यांकन डा. आर. के. पाराशर व डा. ममता शर्मा ने किया। संकायवार छात्रों ने प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी.एकृ विभाग में कन्या भ्रूण हत्या पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन : 18 फरवरी, 2013 को कन्या भ्रूण हत्या जिम्मेदार कौन? पुरूष या महिला? विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बी.एड. के 42 विद्यार्थियों ने भाग लिया। साहित्यिक समिति की संयोजिका श्रीमती आभा कृष्ण जौहरी व समिति के सदस्य श्री लखमीचन्द ने निबन्धों का मूल्यांकन किया। इस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यार्थियों ने प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त किया।

बी. ए. अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों का विदाई समारोह : 25 फरवरी, 2013 को बी.ए. अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों के विदाई समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। समारोह के दौरान दीप्ति दुबे को मिस फेयरवेल तथा श्री विजय कुमार को मिस्टर फेयरवेल का खिताब दिया गया। कार्यक्रम के अन्त में प्राचार्यजी ने कहा कि विदाई समारोह महाविद्यालय की स्वस्थ परम्परा है, इससे विद्यार्थियों में आपसी भाई चारा बढ़ता है।

भूगोल विभाग का शैक्षिक भ्रमण : 3 मार्च, 2013 को महाविद्यालय के भूगोल विभाग का शैक्षिक टूर मथुरा–वृन्दावन गया। इस दौरान विद्यार्थियों को इस्कान मन्दिर, प्रेम मन्दिर, वैष्णों मन्दिर, छटीकरा, रंगनाथ मन्दिर, सोना खम्भा तथा कृष्ण जन्मभूमि ले जाया गया। विद्यार्थियों को उक्त स्थलों के एतिहासिक तथा धार्मिक पक्ष की जानकारी दी गयी। शैक्षिक भ्रमण का संयोजन भूगोल विभाग के प्रवक्ता डा. सोमवीर सिंह ने किया।

लोकगीत व लोकनृत्य का रंगारंग कार्यक्रम : ज्ञान महाविद्यालय एवं क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र, आगरा के संयुक्त तत्वावधान में ज्ञान महाविद्यालय के प्रेक्षाग्रह में 7 मार्च, 2013 को लोकगीत व लोकनृत्य कार्यक्रम आयोजित किए गये। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी श्री राजीव रौतेला व विशिष्ट अतिथि अलीगढ़ की महापौर श्रीमती शकुन्तला भारती थीं। कार्यक्रम का संयोजन आकाशवाणी की प्रसिद्ध लोक कलाकार श्रीमती पवित्रा सुहृदय ने किया। दुर्गा सांस्कृतिक केन्द्र, अलीगढ़ के कलाकारों ने 'फाग खेलन बरसाने आये हैं, नटवर नन्दकिशोर' आदि अनेक प्रस्तुतियाँ देकर उपस्थित जनसमूह का मन मोह लिया।

मुख्य अतिथि जिलाधिकारी श्री राजीव रौतेला ने कहा कि विलुप्त होती जा रही लोककला संस्कृति को याद रखने तथा व्यक्तित्व के विकास हेतु ऐसे कार्यक्रम आवश्यक हैं। विशिष्ट अतिथि महापौर श्रीमती शकुन्तला भारती ने भी लोकगीत सुनाकर लोगों का मन जीता। त्वरित कार्यवाही बल के कमाण्डेण्ट श्री ने कहा कि लोककला के प्रयास तभी सार्थक हो सकते

Scanned by CamScanner

कलाकारों को भारतीय संस्कृति का प्रतीक बताया। अपर जिलाधिकारी श्री धीरेन्द्र सचान ने लोकविद्या को भारतीय संस्कृति का प्रमुख आधार स्तम्भ बताया। कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय के सचिव महोदय ने उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन (कान्फ्रेंस) में सहयोग : 2 व 3 मार्च, 2013 को UGC, DST, BRNS तथा DBT के सहयोग से अ. मु. वि. में "Frontiers & Challenges" विषय पर एक कान्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कान्फ्रेंस में लगभग 16 देशों के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। रसायन विज्ञान के इस सम्मेलन में लगभग 650 पेपर प्रस्तुत किये गये। ज्ञान महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग के प्राध्यापकों ने इस सम्मेलन में दो शोध पत्र Spectrophotometric Determination of cu (II) with Rifampicin in soil samples तथा Novel synthesis and characterization of spiro Oxazolidinone Derivaties प्रस्तुत किये। दोनों शोध पत्र डा. सुरेन्द्र सिंह यादव, डा. सौरभ शर्मा तथा डा. कविता देवी ने संयुक्त रूप से प्रस्तुत किए तथा सम्मेलन से प्राप्त नवीनतम् जानकारी से अपने सहयोगी और विद्यार्थियों को अवगत कराया।

क्वालिटी काउन्सिल ऑफ इण्डिया द्वारा आयोजित दो दिवसीय कान्फ्रेंस में भागीदारी : 8 व 9 मार्च को यह कान्फ्रेंस दिल्ली के ली मेरीडियन होटल में आयोजित की गयी। इसमें देश–विदेश से शिक्षा, स्वास्थ्य/चिकित्सा व तकनीकी पाठ्यक्रमों से संबंधित जानी–मानी हस्तियों ने भाग लिया। क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए विदेशी विशेषज्ञों के भी व्याख्यान कराये गये। इससे विदेशों में प्रयोग की जा रही टेक्नोलॉजी समझने में सुविधा रही। देश के औद्योगिक क्षेत्रों से भी अतिथि व्याख्यान कराये गये। इस कान्फ्रेंस में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि शिक्षकों को रिकॉर्ड मेनटेन करने व गुणवत्ता युक्त शिक्षा देने में एकेडमिक मैनेजर की भूमिका निभानी चाहिए। यह वर्तमान समय में एक चुनौती है। जापान से आये सैमसंग कम्पनी के इंजीनियर, BHEL के क्वालिटी कन्ट्रोल मैनेजर, हमदर्द विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार तथा सनराइज विश्वविद्यालय के कुलपति जैसे अनेक देशी–विदेशी विद्वानों ने अपने अनुभव बताये तथा अन्त में सामूहिक चर्चा हुई। हमारे महाविद्यालय के डा. गौतम गोयल, उप प्राचार्य डा. वाई. के. गुप्ता व डा. सुरेन्द्र सिंह यादव ने इस कान्फ्रेंस में भाग लिया।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय में उन्मुखीकरण कार्यक्रम : अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय परिसर में स्थित यू.जी.सी. एकेडमिक स्टाफ कॉलेज द्वारा 22 फरवरी से 21 मार्च, 2013 तक विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राध्यापकों हेतु उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार करना है। हमारे महाविद्यालय से डा.विवेक मिश्र, डा. हीरेश गोयल, श्रीमती बबिता यादव, श्रीमती मधु चाहर, श्रीमती रंजना सिंह, सुश्री शालिनी शर्मा तथा श्री गिर्राज किशोर ने उक्त उन्मुखीकरण कार्यक्रम में भाग लिया, एकेडमिक स्टाफ कॉलेज ने सभी को 'ए' ग्रेड से नवाजा।

पाँच दिवसीय स्काउट/गाइड शिविर : 12 मार्च से 16 मार्च, 2013 तक ज्ञान महाविद्यालय परिसर में बी.एड. के विद्यार्थियों हेतु स्काउट/गाइड शिविर आयोजित किया गया। इस शिविर में मुख्य प्रशिक्षक की भूमिका का निर्वाह स्काउट/गाइड के जिला संगठन कमिश्नर श्री यतेन्द्र सक्सैना ने किया। प्रशिक्षण शिविर का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में मिलजुलकर कार्य करने, सामाजिक भाव व देशभक्ति के मूल्यों का विकास करना है।

स्काउट/गाइड ताली, सीटी के इशारे, झण्डारोहण तथा टोली में रहना आदि।

प्रशिक्षण के दूसरे दिन सभी विद्यार्थियों को प्राथमिक चिकित्सा के अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की पट्टी बाँधना, मरीज को उठाना आदि कार्यों की जानकारी दी गयी।

प्रशिक्षण के तीसरे दिन छात्रों ने कैम्प फायर के अन्तर्गत संदेशात्मक नाटक जैसे– कन्या भ्रूण हत्या, शौचालय नहीं तो बहू नहीं, उ.प्र. बोर्ड परीक्षा में भ्रष्टाचार, वैज्ञानिक युग में तकनीकी ज्ञान का अभाव, प्रौढ़ शिक्षा, कन्या शिक्षा, न्यायपालिका में भ्रष्टाचार, संयुक्त परिवार के लाभ, वृक्षारोपण, प्राथमिक पाठशाला, घूसखोरी व अन्धविश्वास प्रस्तुत किए। इन नाटकों का मूल्यांकन बी.एड. विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका श्रीमती आभा कृष्ण जौहरी तथा श्रीमती सरिता याज्ञनिक के साथ श्रीमती पूनम माहेश्वरी ने संयुक्त रूप में किया। भगवान बुद्ध टोली को प्रथम, सूर्या टोली को द्वितीय व सुभाषचन्द्र बोस टोली को तृतीय घोषित किया गया।

प्रशिक्षण के चौथे दिन विद्यार्थियों को विभिन्न प्रकार की गाँठें बाँधना व तम्बू बनाने आदि की जानकारी दी गयी। इस दिन विद्यार्थियों ने आपसी सहयोग से सामूहिक भोज का आयोजन किया, इसका मूल्यांकन महाविद्यालय के प्राध्यापक डा. सुरेन्द्र सिंह यादव, श्री राकेश कुमार मिश्रा व डा. रश्मि सक्सैना द्वारा संयुक्त रूप से किया गया, जिसका परिणाम निम्न प्रकार रहा–

प्रथम स्थान–	लक्ष्मीबाई टोली और साहू जी टोली
द्वितीय स्थान–	कपल टोली और डा. भीमराव अम्बेडकर टोली
तृतीय स्थान–	सूर्या टोली और भगवान बुद्ध टोली

प्रशिक्षण के पाँचवे दिन शिविर के समापन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि डा. वेदराम वेदार्थी (पूर्व डीन, शिक्षा संकाय, आगरा विश्वविद्यालय, आगरा) तथा विशिष्ट अतिथि डा. बी.डी. गुप्ता (प्रोफेसर इमेरिटस, पूर्व सदस्य– उ. प्र. उच्चतर शिक्षा सेवा आयोग) और डा. जे.पी. सिंह, विद्या वारिधि (अध्यक्ष– शिक्षक शिक्षा विभाग, धर्म समाज महाविद्यालय, अलीगढ़) थे। अन्य अतिथियों में श्रीमती सुधा सिंह (थानाध्यक्ष, महिला थाना, अलीगढ़), डा. दुष्यन्त कुमार सक्सैना (प्रधानाचार्य, धर्म समाज इण्टर कॉलेज, अलीगढ़), श्रीमती मधुवाला (प्रधानाचार्या, चिरंजीलाल कन्या इण्टर कॉलेज, अलीगढ़) तथा श्री अनिलकुमार दीक्षित (प्रधानाचार्य, सरस्वती विद्या मन्दिर, अलीगढ़) आदि थे। महाविद्यालय के प्रेक्षागृह में विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

डा. जे. पी. सिंह ने सभागार में बोलते हुए कहा कि ज्ञान महाविद्यालय के शिक्षक शिक्षा विभाग को NAAC द्वारा 'ए' ग्रेड दिया जाना हम सबके लिए गौरव की बात है। डा. बी.डी. गुप्ता ने

Scanned by CamScanner

भी सात्विक बनाया जा सकता है। डा. वेदराम वेदार्थी जी ने कहा कि कठिन रास्ते पर चलकर ही व्यक्ति को अपनी मन्जिल पर पहुँचना चाहिए, इससे व्यक्ति में आत्मविश्वास बढ़ता है तथा दूसरों को भी इससे प्रेरणा मिलती हैं, उन्होंने ज्ञान महाविद्यालय को विश्वविद्यालय बनाने की भी कामना की।

अन्त में महाविद्यालय के सचिव महोदय ने डा. वेदराम वेदार्थी को शिक्षा का पितामह कहकर सम्मानित किया तथा प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों को बधाई दी।

भा. प्रतिभूति व विनिमय बोर्ड(सेबी), द्वारा प्रवर्तित कार्यक्रम : वाणिज्य संकाय के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं सेबी के रिसोर्स परसन डा. जे.के. शर्मा ने समुदाय के विभिन्न वर्गों के साथ चार कार्य–शालाओं का आयोजन किया, जिनका विवरण निम्नांकित है–

5 जन., 2013 को पहली कार्यशाला गुरू गोविन्द सिंह जूनियर हाईस्कूल, बैकुण्ठ नगर में तथा 6 जन., 2013 को दूसरी कार्यशाला ग्राम बहरामपुर (विकास खण्ड जवां) में प्राथमिक शिक्षक श्री तेजवीर सिंह के सहयोग से तथा 01 फर., 2013 को तीसरी कार्यशाला श्री राममूर्ति मैमोरियल पब्लिक स्कूल, आर.के. पुरम में प्रधानाचार्य श्री जे.पी. सिंह की अध्यक्षता में तथा 2 फरवरी, 2013 को चतुर्थ कार्यशाला एन्जिल्स पब्लिक स्कूल, आगरा रोड, अलीगढ़ के प्रधानाचार्य श्री जे. पी. शर्मा की अध्यक्षता में की गयी।

बी. एड. विभाग का शैक्षिक भ्रमण : 20 से 23 मार्च, 2013 तक शैक्षिक भ्रमण कार्यक्रम के अन्तर्गत बी.एड. के विद्यार्थियों को बस द्वारा उत्तराखण्ड के शहर नैनीताल ले जाया गया। इस भ्रमण की प्रभारी डा. रेखा शर्मा थीं तथा श्री सचिनप्रताप सिंह, श्रीपुष्पेन्द्र

सिंह एवं श्रीमती ऊषा सैंगर ने भ्रमण के दौरान भ्रमण प्रभारी को सहयोग दिया। इस भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को सूखा ताल, भीम ताल, मैंगो ब्यू, चिड़ियाघर, सुसाइड पोइण्ट, नैनाझील, सनसेट पोइण्ट, रानी खेत, गोल्फ पार्क व नैनादेवी मन्दिर आदि स्थानों पर ले जाया गया। प्राध्यापक तथा विद्यार्थियों ने उक्त स्थलों के एतिहासिक तथा शैक्षिक महत्व पर सामूहिक चर्चा की तथा स्वानुशासन में रहकर पर्वतीय क्षेत्र के लोगों के शारीरिक श्रम व जीवन की सहजता के महत्व को समझा और उनसे सकारात्मक सीख ली। विद्यार्थियों के अनुसार यह भ्रमण उनके लिए स्वास्थ्यप्रद, मनोरंजक तथा ज्ञानवर्धक रहा।

अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित पुनर्बोध कार्यक्रम में सहभाग : अ.मु.वि. परिसर में स्थित यू.जी.सी. एकेडमिक स्टाफ कॉलेज द्वारा 31 मार्च से 19 अप्रैल 2013 तक देश के विभिन्न प्रदेशों के विश्वविद्यालयों तथा महाविद्यालयों के हिन्दी साहित्य के प्राध्यापकों हेतु पुनर्बोध कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय की प्राध्यापिका डा. रेखा शर्मा ने उक्त पूरे कार्यक्रम में भाग लिया। इस कार्यक्रम में हिन्दी आलोचना पर विस्तृत चर्चा के साथ–साथ संगोष्ठियों में प्रस्तुती करण, कक्षा में पढ़ाने आदि का अभ्यास एवं प्रदर्शन के अतिरिक्त भाषा विकास, स्त्री शक्ति तथा हिन्दी की विभिन्न विधाओं पर भी चर्चा करायी गयी। विभिन्न प्रकार के सौंपे गये शैक्षिक कार्यों को पूरा करने के तरीकों पर चर्चा करने के अलावा प्रशिक्षकों ने सहभागी प्राध्यापकों की विविध परीक्षा भी ली। सभी सहभागियों को आगरा, फतेहपुर सीकरी आदि का भ्रमण कराया गया।

Internal Quality Assurance Cell (IQAC) की स्थापना : उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद् द्वारा सभी संबंधित विश्वविद्यालयों में Internal Quality Assurance Cell की स्थापना की गयी है। संबंधित विश्वविद्यालय स्वयं से सम्बद्ध महाविद्यालयों में IQAC स्थापित कराकर Annual Quality Assurance Report (IQAR) तैयार करने हेतु एक आई.डी. व पासवर्ड देता है, जिसके अन्तर्गत महाविद्यालय अपनी त्रैमासिक गतिविधियों की प्रगति रिपोर्ट भरकर उ. प्र. राज्य उच्च शिक्षा परिषद को भेजता है। हमारे महाविद्यालय में भी IQAC स्थापित है। डा. भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा ने नव., 2012 में महाविद्यालय को I.D. तथा Password दिया। महाविद्यालय के IQAC ने दिस., 2012 तथा जन., 2013 से मार्च, 2013 तक की रिपोर्ट उत्तर प्रदेश राज्य उच्च शिक्षा परिषद को भेजी। IQAC के कार्यों में महाविद्यालय के सभी विभागों के प्राध्यापकों के शिक्षण कार्यों का मूल्यांकन करना, U.G.C. द्वारा निर्धारित प्रपत्र द्वारा संबंधित छात्रों से शिक्षण कार्य का पृष्ठ पोषण (फीड बेक) लेना आदि शामिल है। महाविद्यालय में बी.एड. विभाग के प्रवक्ता श्री गिर्राज किशोर IQAC के प्रभारी हैं।

विधवाओं की स्थिति पर राष्ट्रीय परामर्श में सहभाग : 3 अप्रैल 2013 को Guild For Service ने इण्डिया इण्टरनेशनल सेन्टर, नई दिल्ली में यू.एन. वीमेन के समर्थन तथा इण्डिया इण्टरनेशनल सेन्टर के सहयोग से National Consultation on Widows: Denial and Deprivation of Rights from Private to Public and Policy Realm का आयोजन किया। उक्त परामर्श में राष्ट्रीय महिला आयोग की पूर्व अध्यक्षा डा. वी.मोहिनीगिरी, योजना आयोग (भारत सरकार) की सदस्या डा. सैयदा हमीद के साथ–साथ अनेक कानूनविद्, शिक्षाविद्, प्राध्यापकों तथा स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। महाविद्यालय के सचिव श्री दीपक गोयल के नेतृत्व में डा. गौतम गोयल, डा. रेखा शर्मा, श्रीमती शोभा सारस्वत, डा. ललित उपाध्याय तथा डा. रत्न प्रकाश ने उक्त परामर्श में भाग लिया।

डा. सयैदा हमीद ने बताया कि वर्ष 2013–14 के बजट में महिला अधिकार एवं जागरूकता हेतु अनेक नये प्रावधान किये गये हैं। सहभागियों ने विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न प्रकार की विधवाओं तथा अन्य महिलाओं के प्रति हो रही हिंसा की समस्याओं एवं उनके समाधान के संबंध में अपने–अपने अनुभव बताये। MNREGA, इन्दिरा आवास योजना आदि पर भी चर्चा की गयी।

बी.एड. की पूर्व विश्वविद्यालयी परीक्षा : महाविद्यालय के बी.एड. के विद्यार्थियों की पाठ्यचर्या से संबंधित सत्रीय परीक्षा का आयोजन विभागाध्यक्ष डा. खजानसिंह के संयोजन व वरिष्ठ प्रवक्ता श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी के पर्यवेक्षण में 1 मार्च से 8 अप्रेल, 2013 तक महाविद्यालय परिसर में किया गया। परीक्षा के प्रश्नपत्र डा. बी.आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के पैटर्न पर बाहर से बनवाकर मँगाये गये थे तथा उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन भी ज्ञान महाविद्यालय से दूर के महाविद्यालय/विश्वविद्यालय के प्राध्यापकों से कराया गया। इस प्रकार की परीक्षा से विद्यार्थी स्वयं का मूल्यांकन कर मुख्य परीक्षा की अच्छी तैयारी कर सकेंगे।

Scanned by CamScanner